C – 8

B.Ed – IInd YEAR

Date: / /
Page No.:

* माध्यमिक शिक्षा आयोग के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य ⇒

शिक्षा व्यवस्था की आदतें, प्रवृत्तियों एवं चारित्रिक गुणों के विकास के लिए अपना योगदान देना चाहिए ताकि यहाँ के नागरिक योग्यतापूर्वक लोकतंत्रात्मक नागरिकता के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने की क्षमता प्राप्त कर सकें और उन ध्वंसात्मक प्रवृत्तियों का विरोध करें जो व्यापक एवं धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के विकास में बाधक है।

उपरोक्त विवेचन को दृष्टि मे रखते हुए आयोग ने माध्यमिक शिक्षा के निम्नलिखित उद्देश्य बताए हैं ——

1) लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास ⇒

शासन की सर्वोच्च शक्ति जनता है। भारत जैसे सम्पन्न गणराज्य में प्रजातंत्र की सफलता के लिए योग्य, कुशल आदर्श नागरिकों कि आवश्यकता है। इस लिए यह आवश्यक है कि शिक्षा द्वारा नागरिको को इस योग्य बनाया जाय कि वे भाषण और लेखन मे अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर जनता को प्रभावित कर सके। लोकतंत्र कि सफलता के जनता मे शिक्षा द्वारा सहनशिलता, सत्य, त्याग, प्रेम दया, इमानदारी, कर्तव्य पालन, देशप्रेम और विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास करना भी परम आवश्यक है।

2) कुशल जीवन-यापन कला का प्रशिक्षण ⇒

समुदाय और समाज मे कुशलतापूर्वक रहना भी एक कला है और इसे बहुत कुछ बालक शिक्षा के माध्यम से सिखता है। इसके लिए शिक्षा के माध्यम से नागरिक में सामाजिक गुणों का जैसे – अनुशासन, सहयोग, सहनशीलता, सामाजिक चेतना, देश-प्रेम, मानव प्रेम आदि का विकास किया जाय। उसमे सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने की क्षमता और साहस का विकास किया जाय।

Date: / /
Page No.:

3] नेतृत्व का विकास ⟹

देश का भविष्य योग्य नेतृत्व पर निर्भर करता है। प्रजातांत्रिक भारत मे हर क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की आवश्यकता है। सफल नेता को केवल राजनीति के क्षेत्र मे ही निपुण नही होना चाहिए तथा उसमें न्याय, अनुशासन, त्याग और सहनशीलता आदि के गुण भी होने चाहिए।

4] व्यक्तित्व का विकास ⟹ व्यक्तित्व के पूर्ण विकास से तात्पर्य है कि व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, नैतिक एवं अध्यात्मिक सभी प्रकार का सन्तुलित विकास। इसके अतिरिक्त बालक की रचनात्मक शक्ति का भी विकास होना चाहिए। व्यक्तित्व का विकास शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है।

5] व्यवसायिक कुशलता की वृद्धि ⟹ विद्यार्थियों में व्यवसायिक कुशलता की वृद्धि करना शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसका प्रमुख कारण यह है कि इस उद्देश्य की सफलता पर ही जनतंत्र की सफलता व कुशलता निर्भर करती है। क्योंकि जनतंत्र की सफलता कुशल एवं आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न नागरिकों पर निर्भर करती है। शिक्षा द्वारा विद्यार्थियों मे हस्तकला को स्थान देना चाहिए। व्यवसायिक पाठ्यक्रम बनाते समय उसमे विविधता का विशेष ध्यान रखना चाहिए बालक जीवन मे अपनी रुचि एवं आवश्यकतानुसार व्यवसाय चुन सकें।

26/05/2020